दैनिक भास्कर

जबलपुर फ्रंट पेज

bhaskarhindi.com

जबलपुर, मंगलवार, 05 नवम्बर, 2019 | 2

नर्मदा का प्रवाह बनाए रखने 2 किमी में होगा पौधारोपण, बनेगी हरित पट्टी विकास योजना

संभागायुक्त ने बैठक में कहा- किसानों में भी इसके लिये जागरूकता लाना जरूरी

नगर संवाददाता | जबलपुर

नर्मदा का किनारा कभी हरियाली से सराबोर था अब कई जगहों पर तट के किनारे का नजारा ही बदल गया है। नर्मदा नदी के प्रवाह को सदैव अविरल और निर्मल बनाए रखने के लिए जरूरी है कि नदी के दोनों किनारों पर दो किलोमीटर चौड़ा सघन वृक्षारोपण किया जाये। तट के किनारे हरित पट्टी को विकसित करने के लिए कार्ययोजना बनाई जाये। इसके लिये कृषकों में जागरूकता लाकर और जनसहयोग से कार्य किये जाने चाहिए। यह बात संभागायुक्त राजेश बहुगुणा ने ट्रॉपिकल फॉरेस्ट रिसर्च संस्थान में नर्मदा नदी की पूरी लम्बाई में नदी के दोनों किनारों पर चौड़ी हरित पट्टी विकसित करने डीपीआर निर्माण के सुझाव के लिये आयोजित बैठक में कही।

संभागायुक्त ने कहा कि भविष्य में देश के मध्य भाग में विकास की काफी संभावनाएँ हैं और यह क्षेत्र, सड़कों, रेल मार्गों तथा औद्योगिक विकास की नई ऊँचाई प्राप्त करेगा। ऐसी स्थिति में नदियों और जल स्त्रोतों पर दोहन का भार पड़ेगा। अतः आवश्यक है कि पहले से ही शासन और जनसमुदाय की संयुक्त भागीदारी से नदियों के संरक्षण और संवर्धन के ठोस कार्य किए जाएँ। बैठक में टीएफआरआई के डायरेक्टर डॉ. जी राजशेखर राव, पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति, कलेक्टर मण्डला जगदीशचन्द्र जटिया, कृषि उद्यानिकी जिला पंचायत, वन आदि संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

किसानों को न हो नुकसान

संभागायुक्त ने कहा कि नर्मदा नदी के दोनों किनारों पर सघन हरित पट्टी को शहरी क्षेत्रों, वन क्षेत्रों और कृषि क्षेत्रों की भूमि पर विकसित करना होगा। डीपीआर में कृषि क्षेत्रों में हरित पट्टी निर्माण पर अधिक ध्यान देना होगा। ऐसी योजना बनानी होगी कि किसी भी किसान को नुकसान न हो और कृषकों का व्यापक सहयोग मिले। क्रॉपिंग पैटर्न में आने वाले बदलाव के लिए कृषकों को जागरूक करना होगा। यह कार्य जल्द प्रारंभ करना होगा। उन्होंने कहा कि शासन की नदी पुनर्जीवन योजना के तहत काफी कार्य जिला पंचायतों द्वारा किए जा रहे हैं। जिलों में बनी नदी पुनर्जीवन कार्ययोजना पर नर्मदा नदी के किनारों पर हरित पट्टी निर्माण की कार्ययोजना बनाने में विचार के लिए रखा जा सकता है।पी-2

पत्रिका सिटीजन. आसपास 05

किसानों के सहयोग से बनाएं नर्मदा नदी किनारे हरित पट्टी

जबलपुर. नर्मदा नदी के दोनों किनारों पर घने पौधे लगाकर दो किलोमीटर चौड़ी हरित पट्टी विकसित किए जाने की कार्ययोजना की सोमवार को समीक्षा की गई। इसमें कार्ययोजना की डीपीआर के निर्माण के लिए सुझाव लिए गए। सम्भागायुक्त राजेश बहुगुणा ने बैठक में कहा कि इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए किसानों में जागरुकता लाकर जनसहयोग से किया जाना चाहिए। सम्भागायुक्त बहुगुणा ने कहा कि भविष्य में देश के मध्य भाग में विकास की काफी सम्भावनाएं हैं। यह क्षेत्र, सड़क, रेल मार्गों तथा औद्योगिक विकास की नई ऊंचाइयां प्राप्त कर सकता है। ऐसी स्थिति में नदियों और जल स्त्रोतों पर दोहन का भार पड़ेगा। इसलिए समय रहते नदियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए ठोस कार्य किए जाएं।

राज एक्सप्रेस | महानगर

मंगलवार, 5 नवम्बर, 2019
www.rajexpress.co

5 जबलपुर

नर्मदा नदी के प्रवाह को निर्मल व अविरल बनाए रखने चौड़ी हरित पट्टी आवश्यक : संभागायुक्त

कृषक जागरुकता को शामिल किया जाए योजना में

जबलपुर ■ राज न्यूज नेटवर्क

नर्मदा नदी के प्रवाह को सदैव अविरल और निर्मल बनाए रखने के लिए नदी के दोनों किनारों पर दो किलोमीटर चौड़ी सघन वृक्षों से आच्छादित हरित पट्टी को विकसित करने के लिए कार्ययोजना बनाई जा रही है। इस महत्वपूर्ण कार्य को कृषकों में जागरूकता लाकर जनसहयोग से किया जाना चाहिए।

उक्ताशय की बात संभागायुक्त राजेश बहुगुणा ने ट्रापिकल फारेस्ट रिसर्च संस्थान में नर्मदा नदी की पूरी लम्बाई में नदी के दोनों किनारों पर चौड़ी हरित पट्टी विकसित करने डीपीआर निर्माण के लिए सुझाव हेतु आयोजित बैठक में कही।

टीएफआरआई के डायरेक्टर डॉ जी राजशेखर राव, पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति, कलेक्टर मण्डला जगदीशचन्द्र जटिया, जिला पंचायत जबलपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रियंक मिश्र, कृषि उद्यानिकी जिला पंचायत, वन आदि संबंधित विभागो के अधिकारियों की मौजूदगी में हुई इस बैठक में भागायुक्त श्री बहुगुणा ने कहा कि भविष्य में देश के मध्य भाग में विकास की काफी संभावनाएं हैं और यह क्षेत्र, सड़क, रेल मार्गों तथा औद्योगिक विकास की नई ऊंचाईयां

प्राप्त करेगा। ऐसी स्थिति में नदियों और जल स्त्रोतों पर दोहन का भार पड़ेगा। अतः आवश्यक है कि पर्याप्त समय पहले से ही शासन और जनसमुदाय की संयुक्त भागीदारी से नदियों के संरक्षण और संवर्धन के ठोस कार्य किए जाएं।

संभागायुक्त श्री बहुगुणा ने कहा कि नर्मदा नदी के दोनों किनारों पर सघन हरित पट्टी को शहरी क्षेत्र, वन क्षेत्र और कृषि क्षेत्रों की भूमि पर विकसित करना होगा। डीपीआर में कृषि क्षेत्रों में हरित पट्टी निर्माण पर अधिक ध्यान देना होगा। ऐसी योजना बनानी होगी कि किसी भी किसान को नुकसान नहीं हो और कृषकों का व्यापक सहयोग मिले। क्रापिंग पैटर्न में आने वाले बदलाव के लिए कृषकों को जागरूक करना होगा। यह कार्य शीघ्रतिशीघ्र प्रारंभ करना होगा। उन्होंने कहा कि शासन की नदी पुनर्जीवन योजना के तहत काफी कार्य जिला पंचायतों द्वारा किए जा रहे हैं। जिलों में बनी नदी पुनर्जीवन कार्ययोजना पर नर्मदा नदी के किनारों पर हरित पट्टी निर्माण की कार्ययोजना बनाने में विचार के लिए रखा जा सकता है।मण्डला जिले के कलेक्टर श्री जटिया और जिला पंचायत के सीईओ प्रियंक मिश्रा ने अनेक सुझाव दिए। बैठक में टीएफआरआई के डायरेक्टर सहित विषय विशेषज्ञों द्वारा उपयोगी तथ्यात्मक जानकारियां प्रस्तुत की गईं।

TheHitavada

Jabalpur City Line | 2019-11-05 | Page- 8

TFRI discusses DPR for rejuvenation of river Narmada

■ Staff Reporter

AN IMPORTANT meeting to discuss forestry interventions in agricultural and urban landscape in preparation of detailed project report (DPR) for rejuvenation of river Narmada was held at Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur, on Monday.

The meeting was held to design and propose forestry interventions rejuvenation of river Narmada and to develop wide green belt along the river.

In this meeting of officers from Divisional Commissioner office, District Administration, agriculture, horticulture and allied sectors was conducted at Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur. Rajesh Bahuguna, Divisional Commissioner, Jabalpur, chaired the meeting and appreciated the timely effort of the Ministry of Environment, Forests and Climate Change (MoEF&CC) for proposing preparation of DPR for river Narmada

Rajesh Bahuguna, Divisional Commissioner, along with Dr G Rajeshwar Rao, Director TFRI, Prof (Dr) P D Juyal, Vice Chancellor, NDVSU, attending meeting at TFRI, on Monday.

rejuvenation process. He emphasised strongly on incorporation of local people and prior convincing and consent of farmers for successful implementation of any proposed model in the DPR. Dr G Rajeshwar Rao (ARS), Director TFRI, welcomed the guests and briefed about various meetings conducted with various stakeholders of Madhya Pradesh, Maharashtra, Chhattisgarh and Gujarat and urged the officers to share their experiences and practical suggestions for preparation of DPR. M Rajkumar, Scientist, TFRI, briefed the officers about the approach adopted for DPR preparation and identified intervention sites that is forestry, agricultural and urban landscapes. He also informed about the 9 meetings held in the regard at Madhya Pradesh, Maharashtra, Chhattisgarh and Gujarat attended by around 230-245 experts from planning, revenue, hydrology, agriculture, geology and other sectors. Dr Geeta Joshi, Scientist, TFRI, presented briefly about agricultural landscapes and demanded support from various departments regarding various agricultural schemes and cropping pattern in villages around Narmada and its tributaries. Dr Avinash Jain, Scientist, TFRI, presented urban landscapes and demanded support from various departments regarding ongoing schemes, plans, policies and plantation, afforestation programmes in cities and villages around Narmada and its tributaries. C Behera, IFS, Group Co-ordinator Research, TFRI, Dr Fatima Shirin, Dr Nanita Berry, Dr Arun Kumar, Dr S Sarvanan, Dr Naseer Mohammad and Dheeraj Gupta were also present at the meeting along with other scientist and officers of the institute.

महानगर

नईदुनिया 05

जबलपुर, मंगलवार 05 नवंबर 2019

किसानों-लोगों की सहमति से ही 'नर्मदा' का कायाकल्प

टीएफआरआई में डीपीआर तैयार करने को लेकर बैठक के दौरान हुई चर्चा

जबलपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई) में हम सभी 'नर्मदा नदी' का कायाकल्प करने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बना रहे हैं। डीपीआर में किसी भी प्रस्तावित मॉडल का सफल कार्यान्वयन करने के लिए स्थानीय लोगों और किसानों की पूर्व सहमति लेना जरूरी है। टीएफआरआई में सोमवार को हुई चर्चा बैठक में यह बात राजेश बहुगुणा आईएएस संभागीय आयुक्त ने कही।

संभागीय आयुक्त बहुगुणा ने नर्मदा नदी का कायाकल्प करने के लिए डीपीआर बनाने के प्रस्ताव को लेकर किए गए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के समयबद्ध प्रयास की सराहना की। साथ ही डीपीआर में प्रस्तावित मॉडल के सफल कार्यान्वयन के लिए स्थानीय लोगों और किसानों की पूर्व सहमति पर जोर दिया। बैठक में नर्मदा नदी के कायाकल्प का डीपीआर बनाने व कृषि और शहरी परिदृश्य में वानिकी हस्तक्षेप पर आयोजित चर्चा में जिला प्रशासन, कृषि, बागवानी और संबद्ध क्षेत्रों के विभिन्न अधिकारी भी मौजूद रहे।

नर्मदा के कायाकल्प के लिए डीपीआर तैयार करने को लेकर चर्चा बैठक को संबोधित करते संभागायुक्त राजेश बहुगुणा। ● नईदुनिया

अनुभव व सुझाव साझा करें: डॉ. जी राजेश्वर राव एआरएस निदेशक टीएफआरआई ने अतिथियों का स्वागत करके मप्र, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र व गुजरात के हितधारकों के साथ हुई अन्य बैठकों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने डीपीआर तैयार करने में अधिकारियों से अपने अनुभव और सुझाव साझा करने की अपील की।

हस्तक्षेप बिंदुओं को बताया: संस्थान के विज्ञानी एम राजकुमार ने अधिकारियों को डीपीआर तैयार करने अपनाए गए दृष्टिकोण और हस्तक्षेप बिंदुओं यानी वानिकी, कृषि और शहरी परिदृश्यों के बारे में बताया। उन्होंने मप्र, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और गुजरात में हुई 9 बैठकों की भी जानकारी दी। इन बैठकों में प्रशासन, राजस्व, जल विज्ञान, कृषि, भू-विज्ञान और अन्य क्षेत्रों के लगभग 245 विशेषज्ञ शामिल रहे।

कृषि के बारे में दें जानकारी : विज्ञानी डॉ. गीता जोशी व विज्ञानी डॉ. अविनाश जैन ने नर्मदा और उसकी सहायक नदियों के आस-पास के कृषि व शहरी परिदृश्यों को प्रस्तुत किया। उन्होंने नर्मदा और सहायक नदियों के आस-पास के गांवों की कृषि के बारे में विभिन्न विभागों से जानकारी देने मांग की।

ये रहे उपस्थित : बैठक में सी बेहरा आईएफएस समूह समन्वयक अनुसंधान टीएफआरआई और नोडल अधिकारी नर्मदा डीपीआर, डॉ. फातिमा शिरीन, डॉ. ननिता बेरी, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. एस. सरवनन, डॉ. नसीर मोहम्मद, धीरज गुप्ता और अन्य विज्ञानी व संस्थान के अधिकारी उपस्थित रहे।